International Journal of Geology, Agriculture and Environmental Sciences
Volume – 9 Issue – 1 January-June 2021 (Special Issue)
Website: www.woarjournals.org/IJGAES *ISSN: 2348-0254*

बांग्लादेश भू- अवस्थिति भू-राजनीतिक पृष्ठभूमि का परिचय

डॉ जरगुल नियाजी, सहायक आचार्य कॉलेज व्याख्याता राजनीति विज्ञान।

शोध सारांश

आधुनिक विश्व में अंतरराष्ट्रीय संबंधों के अध्ययन एवं शोध का महत्व लगातार बढ़ता जा रहा है। अंतरराष्ट्रीय संबंधों के अध्ययन का मुख्य उद्देश्य राष्ट्रों के मुख्य व्यवहार तथा उनके आचरणों का व्यापक अध्ययन कर ज्ञान प्राप्त करना है।

एशिया के अंतर्गत दक्षिण एशिया वर्तमान युग में अंतरराष्ट्रीय संबंधों का केंद्र बिंदु है। इस क्षेत्र में भौगोलिक जलवायु तत्व तथा आर्थिक दृष्टि से समन्वयकारी तत्व विद्धयमान होने के साथ साथ सहयोग की भी इच्छा रही है। इन्ही संबंधों पर भारत ने बांग्लादेश के साथ मधुर संबंधों को बढ़ाने का प्रयास किया है।

विश्व जिसे आज बांग्लादेश के नाम से जानता है । इसे बंगाल में बोंगोएबांग्लाएबोंगोदेश और बांग्लादेश के नाम से पहचानते है ।भारत की स्वतंत्रता से पूर्व बंगाल प्रान्त का एक भाग था। बंगाल ब्रिटिश शसन काल के समय से बड़ा प्रान्त रहा है। जिसमे पश्चिमी और पूर्वी बंगाल सहित बिहार व ओडिशा भी शामिल थे।

बंगाल प्रेसीडेंसी का विशाल आकार अनेक प्रशासकों के लिए चिंता का कारण रहा है इसलिए सन 1860 से ही इसे छोटे करने के सुझाव दिए जाते रहे।जिसके प्रमाणस्वरूप सन 1874 में असम व सिलहट को अलग कर दिया गया। तत्कालीन वायसरहाय लार्ड कर्जन;1899.1905द्ध द्वारा बंगाल को दो भागो में विभाजित किया गया। ब्रिटिश सरकार ने बंगाल को विभाजित करने का कारण प्रशासनिक अवस्था को बताया। लेकिन विभाजन का वास्तविक कारण राजनितिक था।लार्ड कर्जन ने इस निर्णय को लेकर राष्ट्रवादी और कैमिब्रज इतिहासकारो में पर्याप्त मतभेद है।राष्ट्रवादी इतिहासकारो के अनुसार ये कदम जानभूझ कर श्फूट डालो और राज करोश की नीति के अंतर्गत उठाया गया जबकि कैमिब्रज इतिहासकारो ने इसका आधार प्रशासनिक सुविधा को बताया।

इस कूटनीतिक चाल का प्रमुख उद्देशयए पश्चिमी व पूर्वी बंगाल के मुखयत: राजनीतिज्ञों में दरार डालना था। 19 वी सदी में अंतिम चरणों में भारत में राष्ट्रीय चेतना का विकास त्रीवतर होता जा रहा था । जिसका प्रमुख केंद्र बंगाल ही था । अंग्रेजो द्वारा इस बढ़ती राजनितिक चेतना पर आघात करने के उद्देशय से हीएबंगाल विभाजन का निर्णय लिया गया।

इस तरह दोनों प्रान्तों में विभेद पैदा होने शुरू हो गए। और पूर्वी पाकिस्तान ने भारत की सहायता से पश्चिमी पाकिस्तान को युद्ध में पराजित कर दिया। इस प्रकार अब तक जो एपूर्वी पाकिस्तान कहलाया थाए वह 16 दिसंबर ए1971 को एक स्वतंत्र राष्ट्र बांग्लादेश के रूप में उठ खड़ा हुआ।

बांग्लादेश : भू- अवस्थिति व भू- राजनितिक पृष्ठभूमि

बांग्लादेश 20ण्35 डिग्री उत्तरी और 26.75 डिग्री उत्तरी अक्षांशो और 88.03 डिग्री पूर्वी और 92.75 डिग्री पूर्वी देशान्तरों के मध्य स्थित है । इस देश के पूर्वएपश्चिम और उत्तर में भारत है व दक्षिण में बंगाल की खाड़ी है। दक्षिणी पूर्वी किनारे पर इसकी सीमा म्यांमार से मिलती है। दक्षिण की तरफ जो बंगाल की खाड़ी है वह इस देश को समुद्री मार्गः प्रदान करती है।

बांग्लादेश का कुल क्षेत्रफल 144ए000 वर्ग किलोमीटर है जिसमे से 133ए910 वर्ग किलोमीटर भूभागीय है । जबकि 10ए090 वर्ग किलोमीटर जलाव्रत है।इसकी कुल सीमा 4246 किलोमीटर लम्बी है जिसमे से किलोमीटर म्यांमार के साथ और 4053 किलोमीटर भारत के सीमा के साथ लगी हुई है। इसके अतिरिक्त बंगाल की खाड़ी की तरफ बांग्लादेश का समुद्री तट 580 किलोमीटर लम्बा है ।

बांग्लादेश विश्व के उन कतिपय देशो में से एक हैए जिसमे निदियो का एक विशाल और जटिल जाल फैला हुआ है। यहाँ असखय नाले वह नदिया है यहाँ की नदियों का मुहाना समतल मैदान पर बहने वाली गंगा वह ब्रह्मपुत्र नदियोंए जिन्हे स्थानीय भाषा में जमुना और मेघना के नाम से जाना जाता है। यहाँ अन्य बहने वाली नदियों में तीस्ताए करोतोये एअत्रिए महानंदाएकरनाफूली ए कबोडकए रुप्साए मधुमती आदि मुख्य है।

बांग्लादेश एक मध्यम आकार का देश है ए यह इंग्लैंड से थोड़ा बड़ा है। लेकिन अपने पड़ोसी देश भारत की तुलना में बहुत छोटा है। बांग्लादेश के भौगोलिक परीदर्शय को ध्यान में रखते हुए यह उपयुक्त होगा की वह भारत के साथ मित्रतापूर्वक सबंध स्थापित करे।

बांग्लादेश के अस्तित्व में जलवायु प्रभाव की नियमक्ता भौतिक पर्यावरणीय दशाओ से किसी देश के सांस्कृतिकए आर्थिक व राजनीतिक स्वरूप का निरोपण होता है। जलवायुए प्राकृतिक संसाधनों के साथए देश की सांस्कृतिक व आर्थिक स्थिति को भी प्रभावित करने वाला प्रमुख तत्व है । यहां की अविरल गर्मीए सर्दीए वर्षा वह सूखापन मनुष्य के क्रियाकलापों पर गहरा प्रभाव डालते हैं।
बांग्लादेश की जलवायु उष्णकटिबंधीय है । यहां पर विभिन्न प्रकार की मानसून ऋतुएँ पायी जाती है । जो की तीन हिस्सों में विभाजित है ।
यहां पर गर्म मौसम मार्च से जून तक रहता हैए वर्षा काल का मौसम जून से अक्टूबर तक और शीतकाल मौसम अक्टूबर से मार्च तक रहता है। प्रत्येक वर्ष देखा जाए तो तापमान गर्मियों में 32′ब से 38′ब के मध्ये रहता है ।

जनवरी का महीना सबसे ठंडा होता है और यहाँ का तापमान10'ब के करीब चला जाता है। मार्च से मई के महीनों के बीच त्रीव समुद्री तूफानी आते हैं। इनके कारण वायु का वेग 60 किलोमीटर प्रति घंटे तक बढ़ जाता है। इस देश में वर्षा का वार्षिक औसत 1500 से 2500 मिलीमीटर ;150.250द्धसेमी के बीच रहता है। जबकि पहाड़ी क्षेत्रों में 5080 किलोमीटर ;580 सेमीद्ध तक वर्षा होती है। यहां पर होने वाली लगातार में लंबे समय की बरसात और भारत की तरफ से आने वाली नदियों का पानी बांग्लादेश के अधिकांश निचले भागों में बाढ़ की स्थिति को उत्पन्न करता है।त्रीव और अतिवर्षा इस क्षेत्र की विशेषता है।
बांग्लादेश प्राकृतिक आपदाओं से त्रस्त रहता है अधिक सदन जनसंख्या होने से विशेषता तटीय क्षेत्रों में चक्रवात सुनामी ज्वारी तरंगों का तांडव बांग्लादेश में हाल ही के दशकों में दृष्टिगत होता रहा है।

प्राथमिक स्त्रोत

*अमेनेस्टी इंटरनेशनल रिपोर्ट्स ऑफ बांग्लादेश 1990-1996
*गवर्नमेंट ऑफ बांग्लादेश मिनिस्ट्री ऑफ एजुकेशन बांग्लादेश नेशनल सर्वे एंड कली कूलर कमिटी रिपोर्ट 1977
*गवर्नमेंट ऑफ बांग्लादेश द कॉन्स्टिट्यूशन ऑफ़ द पीपल्स रिपब्लिक ऑफ बांग्लादेश ढाका गवर्नमेंट ऑफ बांग्लादेश 19
*इंडो बांग्लादेश ज्वाइंट कमेटी फॉरेन अफेयर्स रिकॉर्ड नं XXV,NO.4, अप्रैल 1979
*इंडो बांग्लादेश ज्वाइंट रिवर्स कमीशन मीट फॉरेन अफेयर्स रिकॉर्ड नंबर XXVI,NO.7, जुलाई,1980

द्वितीय स्त्रोत

अख्तर जामा दास दा सागा ऑफ बांग्लादेश
दिल्ली ओरिएंटल पब्लिशर ,1971
*बेटोसी पीटर जे द पॉलिटिक्स ऑफ कम्युनिटी एंड कल्चर इन बांग्लादेश (ढाका ,सेक्टर फॉर सोशल स्टडीज,1996)
*भटनागर यांची दर बांग्लादेश बर्थ ऑफ नेशंस (दिल्ली I SSD,1971)
*बिंद्रा एस एस इंडिया एंड हर नेबर्स (नई दिल्ली, द्वीप एंड द्वीप पब्लिकेशंस,1984)
*जैकब जेफर सरेंडर ढाका बर्थ आफ ए नेशंस)
नई दिल्ली मनोहर पब्लिशर ,1997
*मानिउर्जमन क्रिएटिविटी रियलिटी एंड आईडेंटिटी
ढाका इंटरनेशनल सेंटर फॉर बंगाल स्टडीज ,1993

बिचतरा ;साप्ताहिक) web:http//www.bichitra.org
डेली स्टार;प्रतिदिन अंग्रेजी) web:http//www.thedailystar.net
ढाका कोरियर ;साप्ताहिक) web:http//www.dhakacourier.com
इंकलाब;प्रतिदिन बांग्ला) web:http//www.ittefaq.com
द न्यूज़ टुडे ;प्रतिदिन इंग्लिश) web:today@gononet.com

निकाय संख्या

विभाग – 7

जिला – 65

नगर निगम – 11

नगर पालिका – 323

उप जिला – 490

यूनियन परिषद – 4553

प्रशासनिक. अंचल	जनसंख्या 2022	क्षेत्रफल ;वर्ग किमी)	जन घनत्व 2022 वय किमी वर्ग किमी	मुख्यालय
बारिशल विभाग	8,325,666	23,297	626	बारिशल
चट्टाग्राम विभाग	28,423,024	33,772	842	चट्टाग्राम
ढाका विभाग	36,045,408	20,493	2,800	ढाका
खुलना विभाग	25,697,759	22,272	704	खुलना
राजशाही विभाग	27,484,858	28,297	2,025	राजशाही

रंगपुर विभाग	25,787,759	26,327	960	रंगपुर
सिलेट विभाग	99,20,219	22,596	780	सिलेट

बांग्लादेशी संविधान में धर्म की स्वतंत्रता दी और एक मौलिक अधिकार स्थापित किया जिसमें सभी बांग्लादेशी नागरिकों के धर्मों के बावजूद समान अधिकार है लेकिन बांग्लादेशी संविधान के अनुसार इस्लाम को बांग्लादेश के राज्य धर्म के रूप में पहचाना जाएगा सन 2011 की जनगणना के आधार पर 90 आबादी मुस्लिम जबकि 85 परसेंट आबादी हिंदू शेष एक परसेंट बौद्ध जैन ईसाई है ढाका में कई स्थानों पर भव्य पूजा पंडाल है जहां देवी दुर्गा की पूजा होती है हिंदुओं के कई महत्वपूर्ण त्यौहार पर सरकारी अवकाश भी घोषित किया जाता है।

निष्कर्ष . बांग्लादेश की भौगोलिक स्थिति इसे दक्षिण एशिया में एक महत्वपूर्ण स्थान दिलाती है। यदि बांग्लादेश अपने क्षेत्र में पनप रही अनेक आतंकवादी गतिविधियों का उन्मूलन करता है तो इसका प्रभाव सम्पूर्ण दक्षिण एशिया में दिखाई देगा और भारत के साथ भी इसके सम्बन्ध मधुरता पूर्वक बने रहेंगे।